SNDT Women's University, Mumbai

VIDYARTHINI SAHITYA SAMMELAN-2014-15

FEB. 21-23, 2015- 10.00AM – 5.30 PM

PATKAR HALL, CHURCHGATE CAMPUS, MUMBAI-20

PROGRAMME WITH SHORT BIOGRAPHY OF THE EXPERTS

Feb 21 : Kavya

Inauguration Ceremony:

Chief Guest – Shri Naresh Saxena (Eminent Hindi Poet)

- **जन्म** : ग्वालियर (म.प्र.) 16 जनवरी, 1939
- स्वतंत्रता के बाद की हिन्दी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर
- कविता संग्रह - 'समुद्र पर हो रही है बारिश', 'सुनो चारुशीला', 'चंबल इक नदी का नाम' 'नरेश सक्सेना और उनकी चुनिन्दा कवितायें'
- नरेश सक्सेना जी की कवितायें कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में निर्धारित
- निदेशक, 'मुक्तिबोध सृजनपीठ' (सागर विवि) दो वर्ष के लिए
- 'कैपस कवि.' के रूप में आई आई टी, कानपुर में आमंत्रित
- सम्पादन- 'आरम्भ' (कला व कविता की त्रैमासिक पत्रिका)
  'छायानट', उत्तर प्रद्रेश संगीत नाटक अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका
- अतिथि सम्पादक- 'रचना समय' (समसामयिक हिन्दी कविता पर आधारित)
- सम्मान - 'पहल' सम्मान, (भोपाल) 'शमशेर' सम्मान (लखनउ),
  'ऋतुराज','साहित्य भूषण', 'कविता कोष' 'सरोज स्मृति'
- फिल्म-निर्देशन - कई लघु फिल्मों के निर्देशन और
  1991 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित
- नाट्य-लेखन- कई नाटकों का लेखन, जिनमें 'आदमी का आ' की कई भारती
  भाषाओं में लगभग 5000 प्रस्तुतियां

- पेशे से इंजीनियर श्री नरेश सक्सेना 'उत्तर प्रदेश जल निगम' में उप-प्रबंधक, कार्यकारी निदेशक, प्रौद्योगिकी मिशन, एशियाई विकास बैंक, मनीला में इंजीनियरिंग सलाहकार, कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में इंजीनियरिंग कंसलटेंट जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करके अब सेवानिवृत्त....

Chair Person – Prof. Vasudha Kamat (Vice Chancellor, SNDT WU)

10.40 -12.00 Noon

Sub.- Current Trends in Poetry.

Chair Person- Shri Dhruv Shukl (Hindi)

जन्म:- ११ मार्च १९५३ को सागर, मध्यप्रदेश| साहित्य और कलाओं के माध्यम से हुए म.प्र. सांस्कृतिक पुनर्जागरण में दस वर्षों (१९८१-९०) तक विशिष्ट भूमिका| समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में संस्कृति, कला, साहित्य और राजनीतिक विषयों पर लेखन| अनेक राष्ट्रीय कविता समारोहों और परिसंवादों में शिरकत|

रचनायें - उसी शहर में, अमर टॉकीज (उपन्यास) खोजो तो बेटी पापा कहाँ हैं, फिर वह कविता वही कहानी, एक बूँद का बादल, चाँद मिटता नहीं मिटाने से (कविता-संग्रह), हम ही हम में खेलें(बाल कवितायें), हिचकी (कहानी संग्रह), ध्रुव शुक्ल की ईक्षा, सामयिक विषयों पर एक नागरिक की डायरी, महात्मा गांधी की प्रसिद्द पुस्तक हिंद स्वराज्य पर केंद्रित पूज्य पिता के सहज सत्य पर (समीक्षा) कवि त्रिलोचन के काव्य और लेखन पर केंद्रित **संचयिता** का सम्पादन

विशिष्ट लेखन :- मध्यप्रदेश में लोक आख्यान, भीलों का मदनोत्सव भगोरिया

सम्पादन- आलोचना द्वैमासिक (म.प्र. क.परिषद) पूर्वग्रह में आठ वर्षों (१९८२-९०) तक सह-सम्पादक, साक्षात्कार- १९९५-९६

पुरस्कार:- १९९२ में भारत के राष्ट्रपति द्वारा **कथा एवार्ड**,

१९९३ में मध्यप्रदेश कला परिषद द्वारा कविता के लिए संस्थापित **रजा पुरस्कार,**

१९९५ में भारत सरकार के संस्कृतिविभाग द्वारा फैलोशिप

२००३ में स्वामी प्रणवानन्द द्वारा स्थापित **गांधी पीस एवार्ड फॉर लिटरेचर**

२००७ में राष्ट्रीय वैद सम्मान

२००९ में मध्यप्रदेश लेखक संघ का **अक्षर आदित्य सम्मान**

Speakers

Dr. Cicililiya Carvalo (Marathi)

सिसिलिया कार्व्हालो

मराठीतील प्रसिद्ध लेखिका; विशेषतः काव्य आणि समीक्षा लेखन. मुंबई विद्यापीठात मराठी विषयाचे अध्यापन.
काव्यसंग्रह - 'उन्मेष', 'अंतर्यामी', 'सूर्य किरणात आला', 'पंख', 'दारातल्या रांगोळीचे रंग'
ललित लेखसंग्रह - 'प्रकाशझोत', 'मोगऱ्याचा मांडव', 'मुठीतले आकाश'
कथासंग्रह - 'काठ', 'परीस'
आस्वादक समीक्षा - 'ज्ञानवृक्षाची पालवी', 'कैसे चांदणे निर्मळ शुभ्र'
अनुवादित गीते - प्रभांजली
याशिवाय सिसिलिया कार्व्हालो यांनी अनेक वृत्तपत्रांमधून स्तंभलेखन केले आहे. 'आयदान : सांस्कृतिक ठेवा' हे संपादित व 'ऋतुचक्र' हे बालवाङ्मयाचे पुस्तक प्रकाशित आहेत. त्यांना अनेक पुरस्कार व सन्मान प्राप्त झाले आहेत. महाराष्ट्र शासनाचे पुरस्कारही त्यांना दोनदा प्राप्त झालेत. ख्रिस्ती मराठी साहित्य संमेलनाचे अध्यक्षपदही त्यांनी भूषविले आहे. जागतिक मराठी अकादमीच्या त्या सदस्य आहेत. याशिवाय विविध कविसंमेलनांमधून काव्यवाचन व सूत्रसंचालन केले आहे. आकाशवाणी व दूरदर्शन, वाहिन्यांवरून काव्यवाचन व चर्चेत सहभाग.

Shri Vinod Joshi (Gujarati)

પ્રોફેસર અને અધ્યક્ષ,ગુજરાતી અનુસ્નાતક વિભાગ, મહારાજા કૃષ્ણકુમારસિંહજી ભાવનગર યુનિવર્સિટી, ૩૭ વર્ષથી અધ્યાપન અને સંશોધન.૨૧ વિદ્યાર્થીઓને પીએચ.ડી

મહારાજા કૃષ્ણકુમારસિંહજી ભાવનગર યુનિવર્સિટી ના કુલગુરુ.આર્ટસના ડીન,બોર્ડ ઓફ સ્ટડીઝના સભ્ય,એકેડેમિક,કલાક્ષેત્રના સભ્ય.દિલ્હી સાહિત્ય અકાદમીના પશ્ચિમ ભારતીય ભાષાઓના સભ્ય.ગુજરાતી ભાષાના સલાહ બોર્ડના સભ્ય.બિરલા સાહિત્ય સન્માન સમિતિ.ગુજરાત રાજ્યના કલ્ચરલ બોર્ડ,ગુજરાત રાજ્ય પુસ્તક સંપાદન બોર્ડના સભ્ય.

પારિતોષિક :

કવિતા માટે ઉમાશંકર જોશી, કવિશ્વર દલપતરામ, જયંત પાઠક, કવિતા-સંધાન, ઝવેરચંદ મેઘાણી, વિવેચન માટે રમણલાલ જોષી, કવિતા તરફથી ઉત્તમ કવિતા પુરસ્કાર, કવિલોક તરફથી ઉત્તમ વિવેચક.

સાહિત્યિક પ્રવાસ:

સાહિત્ય અકાદમી તરફથી ભારતીય કવિ તરીકે ચાયના. કાવ્ય પઠન અને વ્યાખ્યાન માટે યુ.એસ.એ., યુ.એ.ઈ., કેનેડા, ચાયના, થાઈલેન્ડ, કેન્યા, મોરેશિયસ.

2.30 to 3.30 pm

Open Interview With Chief Guest by **Shri. Raman Mishra**

रमन मिश्र - हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि - आस्था की कवितायें (काव्य संग्रह)

संस्कृतिकर्मी व साहित्य की स्तरीय पुस्तकों के प्रकाशक व विक्रेता
जनवादी लेखक संघ की कार्यकारिणी के सदस्य
'उद्भावना' (दिल्ली) और 'चिंतनदिशा' (मुम्बई) के सम्पादक-मंडल में

3.45 to 5.30 pm
Panchbhashi Kavayitri Sammelan

Chair Person :Ms. Neerja (Marathi)

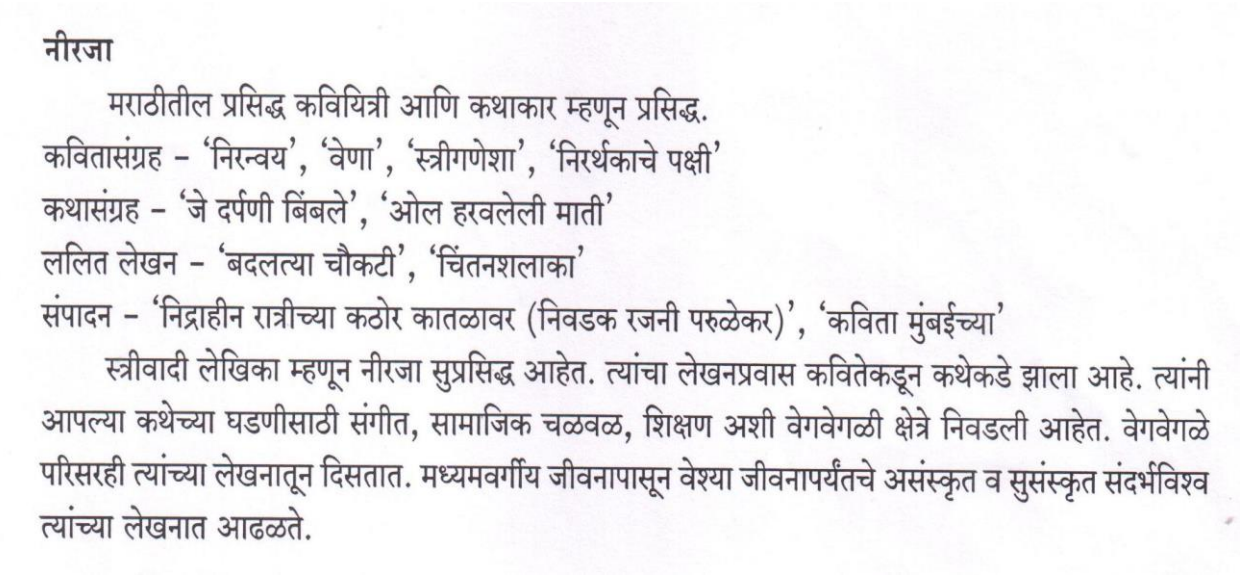

नीरजा

मराठीतील प्रसिद्ध कवियित्री आणि कथाकार म्हणून प्रसिद्ध.
कवितासंग्रह – 'निरन्वय', 'वेणा', 'स्त्रीगणेशा', 'निरर्थकाचे पक्षी'
कथासंग्रह – 'जे दर्पणी बिंबले', 'ओल हरवलेली माती'
ललित लेखन – 'बदलत्या चौकटी', 'चिंतनशलाका'
संपादन – 'निद्राहीन रात्रीच्या कठोर कातळावर (निवडक रजनी परुळेकर)', 'कविता मुंबईच्या'

स्त्रीवादी लेखिका म्हणून नीरजा सुप्रसिद्ध आहेत. त्यांचा लेखनप्रवास कवितेकडून कथेकडे झाला आहे. त्यांनी आपल्या कथेच्या घडणीसाठी संगीत, सामाजिक चळवळ, शिक्षण अशी वेगवेगळी क्षेत्रे निवडली आहेत. वेगवेगळे परिसरही त्यांच्या लेखनातून दिसतात. मध्यमवर्गीय जीवनापासून वेश्या जीवनापर्यंतचे असंस्कृत व सुसंस्कृत संदर्भविश्व त्यांच्या लेखनात आढळते.

Ms. Deepti Mishra (Hindi)

जन्म :- १५ नवम्बर १९६० को उत्तरप्रदेश के लखीमपुर शहर में
शिक्षा :- बी.ए. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और एम.ए. मेरठ विश्वविद्यालय से
काव्य :- बर्फ में पलती हुई आग (१९९७),है तो है (२००५) बात दिल की कह तो दे (२००८)
गजलों का एल्बम :- हसरतें (जिसमें गुलाम अली और कविता कष्णमूर्ति ने अपनी आवाज दी)
मीडिया में गीत-लेखन- 'पत्थर बेजुबान' फिल्म के कई गीत व राजश्री प्रोडक्शन के चर्चित सीरियल **'वो रहने वाली महलों की'** के सभी थीम गीत.
अभिनय :- तनु वेड्स मनु, एक्सचेंज आफर, साथी-साथी संघाती फिल्मों '**जहाँ पे बसेरा हो', 'कुंती', 'उर्मिला', 'कदम', 'हकीकत', 'कुमकुम', 'घर एक मंदिर', 'शगुन'** आदि सीरियलों में.

Ms. Sampurna Chatterji (English)

Born in Dessie, Ethiopia in November 1970, SampurnaChattarji grew up in Darjeeling, graduated in English Literature from Lady Shri Ram College for Women, New Delhi and is currently based in Thane/Mumbai. Sampurna worked in advertising for seven years (JWT, Kolkata and Mumbai, 1992-1999) before quitting to become a full-time author.

Her thirteenpublished books to date include four poetry books—*The Scorpion* (e-book, Harper21, 2013), *Absent Muses* (Poetrywala, 2010), *The Fried Frogand other Funny Freaky Foodie Feisty Poems*(Scholastic, 2009), and *Sight May Strike You Blind* (SahityaAkademi, 2007), *Rupture* (2009) and *Land of the Well* (2012), both from HarperCollins. The latest among her books for young people is her Young Adult novel *Ela: The Girl Who Entered the Unknown* (Scholastic, 2013). Her most recent books are Dirty Love(Penguin, 2013)—her collection of short stories about Bombay/Mumbai; and *Selected Poems* (Harper Perennial, 2014)—her translation of the renowned Bengali poet Joy Goswami. Her forthcoming books include a poetry collection and a collection of short stories about Kolkata.

Sampurna is the editor of the anthology *Sweeping the Front Yard* (SPARROW, 2010), which brings together poetry and prose by women writing inEnglish, Malayalam, Telugu and Urdu. Her poetry has been translated into German, Swiss-German, Welsh, Scots, French, Gaelic, Estonian, Arabic, Tamil, Manipuri, Kannada, Bangla and Bambaiyya; and her children's fiction into Welsh and Icelandic.

Sampurna was the recipient of the Charles Wallace India Trust (CWIT) Creative Writing Fellowship 2012, which placed her as writer-in-residence at the University of Kent, Canterbury.

She was also the recipient of a Pro Helvetia (Swiss Arts Council) grant in 2012.

Executive Committee Member of the PEN All-India Centre, in Mumbai, regular conductor of creative writing workshops for Prithvi Summertime and Junoon in Mumbai, Delhi, Jaipur and Bangalore. Poetry workshops for film and media students at PUKAR Monsoon; for architecture and at Kamla Raheja Vidyanidhi Institute.

Urvashi Pandya (Gujarati)

ગુજરાતી અનુસ્નાતક વિભાગ, મુંબઈ વિદ્યાપીઠ માં ૧૮ **वर्षों से** કાર્યરત. કવયિત્રી,વિવેચક,અનુવાદક,સંશોધક,સંપાદક.

૧૧ જેટલા પ્રકાશન.'મારા વંશની સ્ત્રીઓ' કાવ્યસંગ્રહ,
જ્ઞાનપીઠ વિજેતા ભાલચંદ્રનેમાડી અને ઇન્દિરા ગોસ્વામીજીના પુસ્તકોનો અનુવાદ,
સરોજ પાઠકનું કથા સાહિત્યનું સંશોધન કાર્ય.
મુંબઈમાં ગુજરાતી ભાષામાં પ્રથમ યુ.જી.સી. રીસર્ચ ફેલોશીપ એવોર્ડ.
અભિયાન સાપ્તાહિક દ્વારા 'રજા'વાર્તાને શ્રેષ્ઠ વાર્તા પારિતોષિક.

Surekha Joshi (Sanskrit)

अत्रभवती संस्कृते तथैव संगीते अपि एस.एन.डी.टी. महिला विद्यापीठे एव एम.ए. कृतवती। भवत्या पूर्वं एस.एन.डी.टी. मध्ये अभ्यागत- अध्यापिका रूपेण अध्यापनम् अपि कृतम् । सम्प्रति एस.आय. इ.एस. महाविद्यालये संस्कृतप्राध्यापिकारूपेण कार्यं करोति। संस्कृत प्रचारस्य कार्यं कुर्वत्या: संस्कृतभाषासंस्थाया: अध्यक्षा अस्ति। भवती महाराष्ट्रराज्यस्य माध्यमिक-शिक्षण-समित्या: संस्कृतपाठ्यपुस्तकनिर्माणकार्ये मार्गदर्शनं करोति। भवत्या: मार्गदर्शनेन प्रोत्साहनेन एव 2012 मध्ये संस्कृतसम्मेलनं सम्पन्नम्।

संस्कृतप्रचारार्थं जोशी महोदया संगीतस्य अपि उपयोग: करोति। नभोवाण्याम् अपि भवत्या: नैका: गायनकार्यक्रमा: जाता:। भवती नैकानां सांस्कृतिक कार्यक्रमाणां आयोजनं सफलतया कृतवती। भारतरत्न लतामंगेशकरमहोदया, साधना सरगम, हरीश भिमाणी, अनूप जलोटा,उषा मंगेशकर, पं. रतनमोहनशर्मा, पं. अजय पोहनक्रर आदिनां विविधेषु संगीत प्रकल्पेषु जोशी महोदया मार्गदर्शकरूपेण कार्यम् अकरोत्। विंगज् कैसेट कंपनी, बालाजी टेलीफिल्मस् लिमिटेड, संगीत कैसेट कम्पनी आदीनां संगीतकंपनीनां प्रकल्पेषु भवत्या: महत्त्वपूर्ण योगदानम् अस्ति।

Feb.22 Natya

10.00 - 10.40 am (Inaugural Session)
Chief Guest – Shri Ratnakar Matkari (Sr. Play write & Kathakar, Marathi)

श्री. रत्नाकर मतकरी

मराठीतील नाटककार, कथाकार व कादंबरीकार म्हणून ख्यातकीर्त. त्यांची नव्वदहून अधिक पुस्तके प्रकाशित आहेत. त्यात ३२ नाटके, २३ कथासंग्रह, १६ एकांकिकासंग्रह, १२ बाल-कुमारांची नाटके, ३ कादंबऱ्या आणि ६ निबंधसंग्रह प्रकाशित आहेत. प्रतिभावंत नाटककार हीच त्यांची खरी ओळख सर्वांना आहे.

१९५९ साली लिहिलेले 'वाऱ्यावरचा मुसाफिर' हे त्यांचे पाहिले नाटक. 'वर्तुळाचे दुसरे टोक', 'आरण्यक', 'समोरच्या घरात', 'लोककथा ७८', 'दुभंग', 'माझं काय चुकलं', 'खोल खोल पाणी', 'सत्तांध', 'घर तिघांच हवं', 'जावई माझा भला', 'चार दिवस प्रमाचे' अशी अनेक यशस्वी नाटके. प्रयोगशीतलता, पकड घेणारी सुबक कथानके, उत्कंठावर्धक रचना व ठसठशीत पात्रयोजना ही त्यांच्या नाटकांची वैशिष्ट्ये होत. मानवी मनोव्यापाराची सखोल जाण हा त्यांच्या नाटकांना उंची देणारा खास घटक होय.

नाटकांच्या क्षेत्रात वैशिष्ट्यपूर्ण स्थान निर्माण करणाऱ्या मतकरींनी 'बालनाट्य' ही संस्था स्थापन करून बालनाट्याची चळवळ उभी केली. 'सूप्रधार' ही संस्था स्थापन करून दिग्दर्शनाचे व निर्मितीचे कार्य ही त्यांनी केले. त्याचप्रमाणे दूरदर्शन मालिकांचे संहितालेखन, 'माझं घर माझा संसार' या चित्रपटाचे पटकथालेखन देखील त्यांनी केले आहे. त्यांच्या 'चार दिवस प्रेमाचे' या नाटकाने एक हजार प्रयोगांचा विक्रम केला असून हिंदी व गुजराथी भाषांमध्येही या नाटकाचे प्रयोग झाले आहेत. गूढकथा हा साहित्यप्रकारही मतकरी यांनी अतिशय समर्थपणे हाताळला आहे. नाटकाप्रमाणेच मतकरी यांच्या कथाही वाचकांना अत्यंत प्रिय आहेत. मतकरी यांना अनेक महत्त्वाचे पुरस्कारही प्राप्त झाले आहेत.

Chair Person- Prof Vasudha Kamat (Vice Chancellor, SNDT WU)

10.40 -12.00 Noon

Sub.: Drama : Text & Performance

Chair Person- Shri Prabhakar Bhatkhande (Sanskrit)

श्रीमान् भातखण्डे महोदय: नाम संस्कृतप्रचारक:, संस्कृतज्ञ:, नाटककार:, नाट्यदिग्दर्शक:, अभिनेता, वक्ता, समाजसेवक:, प्रसन्नवदन:, मृदुभाषी च।

भवता नैकेषु मराठी-संस्कृतनाटकेषु अभिनय: कृत:। नाट्यलेखनेऽपि तेषां नैपुण्यं, वैविध्यं लक्षणीयम् अस्ति। पर्यावरणं, रहस्यनाट्यं, सामाजिकविषया:, पौराणिक:, बालनाट्यं इत्यादिषु विषयेषु भवता विंशत्यधिका: एकांकिका: लिखिता:।

भवता ऋतुविलास: इति दीर्घकाव्यं लिखितम् । तथैव भवान् मुक्ता, ललनाख्यानम्, महादानम्, नाट्यसप्तकम्, चारपुरुषार्थ आदि पुस्तकानि विरचितवान्।

वैदिक तथैव अभिजात-संस्कृत-साहित्यस्य प्रचारार्थं सातत्येन 28 वर्षेभ्य: संस्कृत-रसास्वादनवर्गे भवान् अध्यापनं करोति। भवान् अत्यंतं रसपूर्णं विवेचनं करोति। आकाशवाण्यां नाट्यस्पर्धासु भवान् चतुरवारं पारितोषिकानि प्राप्तवान्। तथैव महाराष्ट्रराज्य महाकवि: कालिदास-संस्कृतसाधना पुरस्कार:, यशोदाबाई गोविन्द फडके धर्मादायन्यासस्य 'संस्कृत ज्ञानवंत' पुरुस्कार: आदि नैका: पुरुस्कारा: भवान् प्राप्तवान्।

संस्कृतप्रचारार्थं भवता संस्कृतसम्भाषणवर्गा:, संस्कृतभाषासंस्थाया: वर्गा: आयोजिता:। आकाशवाण्यां तथैव नैकेषु नगरेषु संस्थासु भवता स्वविचारान् प्रकटीकृता:।

Speakers

Shri Mahendra Singh Parmar (Gujarati)

મહારાજા કૃષ્ણકુમારસિંહજી ભાવનગર યુનિવર્સિટીના પ્રોફેસર, પીએચ.ડી.**"કિશનસિંહ ચાવડાની વાગ્મય પ્રતિભા"**

શૈક્ષણિક પ્રદાન- બોર્ડ ઓફ સ્ટડિઝ-ભાવનગર **યુનિવર્સિટી.** વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત **યુનિવર્સિટી,સુરત.,**સૌરાષ્ટ્ર **યુનિવર્સિટી,રાજકોટ. સરદારપટેલ યુનિવર્સિટી,વલ્લભ વિધ્યાનગર.**

તજજ્ઞ: યુ.પી.એસ.સી.નવી દિલ્હી.કમીશન ફોર ટેકનિકલ એન્ડ સાયન્ટીફિક ટર્મિનોલોજી.વીર નર્મદ,ગુજરાત યુનિવર્સિટીના પી.એચ.ડી.બોર્ડ ઓફ કલ્ચર, ભાવનગરયુનિવર્સિટી.

સામાજિક-સાંસ્કૃતિક-સાહિત્યિકક્ષેત્રે સેવાઓ:

ટ્રસ્ટી -દર્શક ફાઉન્ડેશન. અમદાવાદ, મુકુંદરાય પારાશર્ય. ભાવનગર,કલાક્ષેત્ર. ભાવનગર.

શૈક્ષણિક-સહશૈક્ષણિક:

'મિથ્યાભિમાન'(દલપતરામ) ૧૯ પ્રયોગો,નાનાભાઈ ભટ્ટના શિક્ષણ-પ્રદાનને 'અજવાસનું આચમન' શીર્ષકથી નાટ્યરૂપ,ગુજરાત વિદ્યાપીઠ,લોકભારતી,સણોસરા અને ભાવનગરમાં ૬ પ્રયોગો, શ્રેષ્ઠ યુવા દિગ્દર્શક,માતૃભાષા અભિયાન,ગુજરાત સરકારમાં ભાવનગર જિલ્લાની સમિતિમાં કાર્ય.**યુનિવર્સિટીની યુવક મહોત્સવની ટીમના માર્ગદર્શક.વિદ્યાર્થીલક્ષી સાહિત્યિક અભ્યાસ શિબિરમાં કાર્યરત હોવાથી ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીનો પુરસ્કાર.**

સર્જનાત્મક લેખન:

ટૂંકી વાર્તાઓ, લલિત નિબંધ, નાટ્યલેખન. એક આશાસ્પદ લેખક તરીકે વિવેચકોએ નોંધ લીધી છે.અંગ્રેજીમાં અનુવાદિત એક વાર્તાને ઉત્તમ રાષ્ટ્રસ્તરનું પારિતોષિક.ટાગોરની ૧૫૦મી જન્મજયંતી નિમિત્તે ગુજરાતી ભાષાના યુવાપ્રતિનિધિ તરીકે શાંતિનિકેતનની મુલાકાત.સાહિત્યિક અકાદમીના નિમંત્રણથી રાષ્ટ્રીય લેખકમિલનમાં ગોવામાં ગુજરાતી ભાષાનું પ્રતિનિધિત્વ.યુવા ગુજરાતી લેખક તરીકે આસામનો સાહિત્યિક પ્રવાસ.

Shri Vineet Kumar(Hindi)

- **एन एस. डी. टी. से मास्टर डिग्री।**
- कॉलेज जीवन से ही थियेटर में रुचि, इंडियन फीपुल्स थियेटर एसोसिएशन (१९७८) पटना में सक्रिय १४ वर्ष स्टेज में काम किया , जयप्रकाश नारायण के आन्दोलन में काम किया। फोटोग्राफी का भी शौक

- **अभिनय-** :- हिन्दी, अग्रेजी, तेलगू फिल्मों एवं टेलीविजन धारावाहिको में चरित्र भूमिका

- हिंदी फिल्में :- जनता जनार्धन , मस्ताना , मंजुनाथ , क्लब ६० , अता पता लापता, सिटी ऑफ गोल्ड, संशोधन , द्रोकाल , थोक , चोट , शोधयात्रा , एक दिन २४ घंटे, मकडी, सोच, कंच्चे धागे, शूल , गॉडमदर, हज़ार चौरासी की माँ, दौड़ **अग्रेजी फिल्मे :-** भोपाल ए प्रयेर फोर रेन , रिटर्न टू राजापुर , स्ट्रिंग्स , इलेक्ट्रिक मून

- हिन्दीतर भारतीय भाषाएँ (तेलुगू , तमिल , कन्नड):-नायक ,कांदीरीगा, वेलायुधाम, रामा रामा कृष्णा कृष्णा, ज़माना, विक्रमाकुदू... आदि

टेलिविजन धारावाहिक :- महा कुंभ , चिड़िया घर , हम , लापतागंज , यह पब्लिक है सब जानती हैं , कस्लुनीर , धडकन , कभी कभी , कगार , रामखेलावन सी.एम , स्वाभिमान , शिकस्त , कुरुक्षेत्र , आतिश.

12.10 - 1.30

Open Interview with Chief Guest by Shri Ganesh Matkari

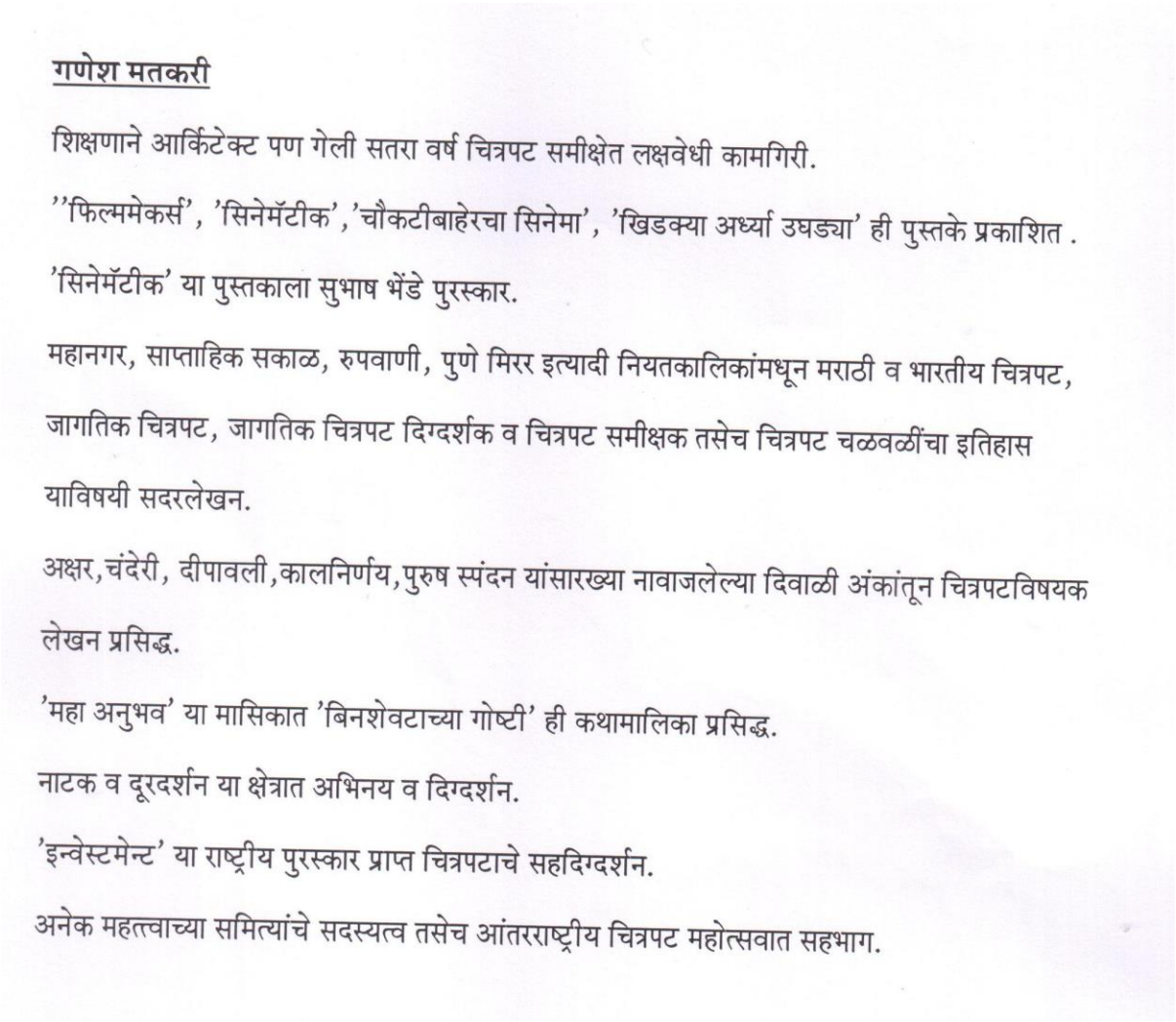

गणेश मतकरी

शिक्षणाने आर्किटेक्ट पण गेली सतरा वर्ष चित्रपट समीक्षेत लक्षवेधी कामगिरी.

''फिल्ममेकर्स', 'सिनेमॅटीक','चौकटीबाहेरचा सिनेमा', 'खिडक्या अर्ध्या उघड्या' ही पुस्तके प्रकाशित .

'सिनेमॅटीक' या पुस्तकाला सुभाष भेंडे पुरस्कार.

महानगर, साप्ताहिक सकाळ, रुपवाणी, पुणे मिरर इत्यादी नियतकालिकांमधून मराठी व भारतीय चित्रपट, जागतिक चित्रपट, जागतिक चित्रपट दिग्दर्शक व चित्रपट समीक्षक तसेच चित्रपट चळवळींचा इतिहास याविषयी सदरलेखन.

अक्षर,चंदेरी, दीपावली,कालनिर्णय,पुरुष स्पंदन यांसारख्या नावाजलेल्या दिवाळी अंकांतून चित्रपटविषयक लेखन प्रसिद्ध.

'महा अनुभव' या मासिकात 'बिनशेवटाच्या गोष्टी' ही कथामालिका प्रसिद्ध.

नाटक व दूरदर्शन या क्षेत्रात अभिनय व दिग्दर्शन.

'इन्वेस्टमेन्ट' या राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त चित्रपटाचे सहदिग्दर्शन.

अनेक महत्त्वाच्या समित्यांचे सदस्यत्व तसेच आंतरराष्ट्रीय चित्रपट महोत्सवात सहभाग.

2.30 to 3.30 pm

Student's Performance -

-Panchparmeshvar–Story by Lt. Hindi Kathasamrat Premchand

Presented by Dept of Hindi- M.A. ii Students

-Selected natya path & Solo Performances

3.45 to 5.30 pm
Hindi Natak – Jis lahaur nahin dekhya... by **Asghar Wajahat**

Staged by 'Ank', Mumbai

Director- Lt. Dinesh Thakur

- 1964 में "आज़र का ख्वाब" से अभिनय की शुरूआत.. ..
- आज देश के अग्रणी थियेटर समूहों में से एक 'अंक' की स्थापना 1976 में की.
- 150 से अधिक नाटकों का निर्देशन और देश-विदेश में लगभग 7000 शो किये हैं.
- प्रसिद्ध नाटकों में हाय मेरा दिल, कमला, अंजी, कन्यादान, जिस लाहौर देख्या, हम दोनों, बीवियों का मदरसा, जाने ना दोगी, रंग बजरंग आदि.
- दिनेश जी ने फ्रैंक ठाकुरदास, हबीब तनवीर, ओम शिवपुरी, इब्राहीम अल्काजी, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, अमोल पालेकर, ए.के.हंगल, गोपाल बजाज और देवेंद्र अंकुर आदि जानी-मानी हस्तियों के साथ काम किये।
- फिल्मकार बासु भट्टाचार्य, बासु चटर्जी, गुलज़ार, सुभाष घई आदि की फिल्मों में अभिनय रजनीगंधा, मेरे अपने, आस्था, अनुभव आदि.
- घर, आस्था, तेरे प्यार में आदि फिल्मों व कई सीरियलों की पटकथा लिखी।

पुरस्कार - पतंग व घर फिल्म के लिये फिल्मफैयर का बेस्ट स्टोरी अवॉर्ड मिला.

- बेस्ट सहायक अभिनेता बासु भट्टाचार्य जी की "'अनुभव"', बासु चटर्जी की "'रजनीगंधा"'
- राजस्थानी राज्य संगीत नाटक अकादमी द्वारा फैलोशिप से सम्मानित किया.
- वी शांताराम ललित कला विशिष्ट सेवा पुरस्कार 2010 के लिए थिएटर में योगदान के लिए महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित किये गए.

Feb. 23 Fiction

10.00 - 10.40 am (Inaugural Session)
Chief Guest – Sushri Himanshi Shelat- Senior Kathakar (Gujarati)

વાર્તાકાર,નિબંધકાર,ચરિત્રકાર,સંપાદક,અને વિવેચક.
સાંજનો સમય, પંચવાયકા, ખાંડણીયામાં માથું, અંધારી ગલીમાં સફેદ ટપકાં, એ લોકો જેવા વાર્તા-સંગ્રહો. ગુજરાતી કથા સાહિત્યમાં નારીચેતના ,એક્ડાની ચકલીઓ- નિબંધ, ક્યારીમાં આકાશપુષ્પ અને કાળા પતંગિયા-લઘુ નવલ.

પારિતોષિક:

અંતરાલ,ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ દ્વારા અંધારી ગલીમાં સફેદ ટપકાં માટે,ધૂમકેતુ પુરસ્કાર,સાહિત્ય અકાદમી દિલ્હી,ડૉ.સનતકુમારી મહેતા પારિતોષિક.

Chair Person- Prof. Vandana Chakrabarti (Pro V.C., SNDT WU)

10.40 -12.00 Noon

Sub.- Social Relevance in contemporary fiction writing.

Chair Person- Shri Bipin Ashaar (Gujarati)

પ્રોફેસર,ગુજરાતી ભવન, સૌરાષ્ટ્ર વિશ્વવિદ્યાલય રાજકોટ.

સંશોધક,વિવેચક,અનુવાદક,વાર્તાકાર,નિબંધકાર,વ્યંગ્ય લેખક,સંપાદક અને ભાષાવિદ

રાષ્ટ્રીય કાર્યકારી સભ્ય,અખિલ ભારતીય સાહિત્ય પરિષદ,સમિધ સામાયિકના મુખ્ય સંપાદક,સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી ગુજરાતી અધ્યાપક સંઘના સંયોજક, ડી.આર એસ.પ્રોગ્રામ, એસ.એન.ડી.ટી.મહિલા યુનિવર્સિટીના સભ્ય,મુંબઈના સલાહકાર સમિતિના સભ્ય,ગુજરાત વિદ્યાપીઠ અમદાવાદ,બોર્ડ ઓફ સ્ટડીઝના સભ્ય,એમ.એસ. યુનિવર્સિટીના સભ્ય.

ચંદ્રકાન્ત બક્ષી,રાધેશ્યામ શર્મા,મધુરાય અને કિશોર જાધવની નવલકથાઓમાં આધુનિકતા' વિષય પર પી.એચ.ડી. પી.એચ.ડી.-૧૫ વિદ્યાર્થીઓને માર્ગદર્શન, એમ.ફીલ- ૭૦ વિદ્યાર્થીઓને માર્ગદર્શન, ૫૦ પુસ્તકોનું પ્રકાશન, વિવેચનના ૩૦ પુસ્તકો, સંશોધન-૨, સંપાદન-૧૩, સંશોધનાત્મક અને વિવેચનાત્મક લેખ-૩૫૦, સર્જનાત્મક કૃતિ-૫૦, સેમીનાર-૧૨૫, વ્યાખ્યાન-૧૦૦. આકાશવાણી દૂરદર્શનના ૨૫ જેટલા કાર્યક્રમ વિવિધ યુનિવર્સિટીમાં સંલગ્નતા.

Speakers

Shri Harshdev Madhav (Sanskrit)

श्रीमंत: हर्षदेव माधववर्या: उत्तमा: संस्कृतकवय: संति। पलिताना-नगरस्थिते टेलीग्राफकार्यालये कार्यं कुर्वंत: एव ते सौराष्ट्र विद्यापीठे संस्कृतविषये प्रथम क्रमांकेन उत्तीर्णा: अभवन्। तत; ते एच. के. आर्ट्स् महाविद्यालये लेक्चरर रूपेण अध्यापनं कृतवंत:। गुजरातविद्यापीठे ते बी.एड., पी.एच.डी. अपि अकुर्वन्।

तै: गुजरातीभाषायां तथैव संस्कृतभाषायां अपि नैका: रचना कृता:। संस्कृते अलकनन्दा, मृगया, बृहन्नला, लावारसदग्ध: स्वप्नमय: पर्वत:, निष्क्रांता: सर्वे इत्यादय: काव्यानि विरचितानि। सर्वे श्रोतार: चकिता: भवेयु: यदि तेषां ग्रंथरचनाविषये कथिष्यामि अहम्।

तै: 130 ग्रंथानां लेखनं कृतम् अस्ति। तेषु केषांचिन् ग्रंथानां विषये कथिष्यामि। 25 संस्स्कृत काव्यसंग्रहा:, 1 कादम्बरी, 1 संस्कृतविवेचनग्रंथ:, 7 संस्कृत-अध्यापन-अध्ययन-सम्भाषणविषये ग्रंथा:। 7 संस्कृतव्याकरणविषये ग्रंथा:, 25 सहसम्पादनग्रंथा:, 4 संस्कृत-गुजराती-हिन्दी-आंग्ल-राजस्थानी भाषायां शब्दकोशा: इत्यादय:। तै: संस्कृते 2200 कविता: विरचिता:। जापानी काव्ये ये हायकू तथैव तंका, कोरियन 'सीजो' काव्यप्रकारा: संति ते काव्यपकारा:संस्कृतेऽपि तै: प्रयुक्ता:। तै: नैका: संशोधनलेखा: विविधेषु विषयेषु लिखिता: नभोवाण्यां वार्तालापा: कृता:।

अत्र भवतां लेखनम् अधिकृत्य 14 छात्रा: पी.एच.डी.,एम.फिल. कृतवंत:। भवतां मार्गदर्शनेन 13 छात्रा: पी.एच.डी. कृतवंत:। एतेषां लेखनम् अधिकृत्य 7 ग्रंथा:प्रकाशिता:। अत्र भवतां रचनानां अनुवादा: कश्मीरी, तेलगु, हिन्दी, ओरिया,मराठी, पंजाबी, भाषासु अपि संजाता:। तै: नैका: पुरुस्कारा: प्राप्ता:।

'मृगया' पुस्तकस्य कृते कल्पवल्ली पुरस्कार:। 'तव स्पर्शे- स्पर्शे' पुस्तकस्य कृते गुजरात राज्यगौरव पुरस्कार:, केन्द्रिय साहित्य-अकादमी पुरुस्कार:, गुजरातराज्य संस्कृत-साहित्य पुरस्कार:, पण्डितराज सम्मान:, ब्रह्मर्षि सम्मान:, अखिल भारतीय कालिदास पुरस्कार: इत्यादिभि: पुरस्कारै: भवता: गौरवांवित:।

Shri Jayant Pawar (Marathi)
2.30 to 3.30 pm

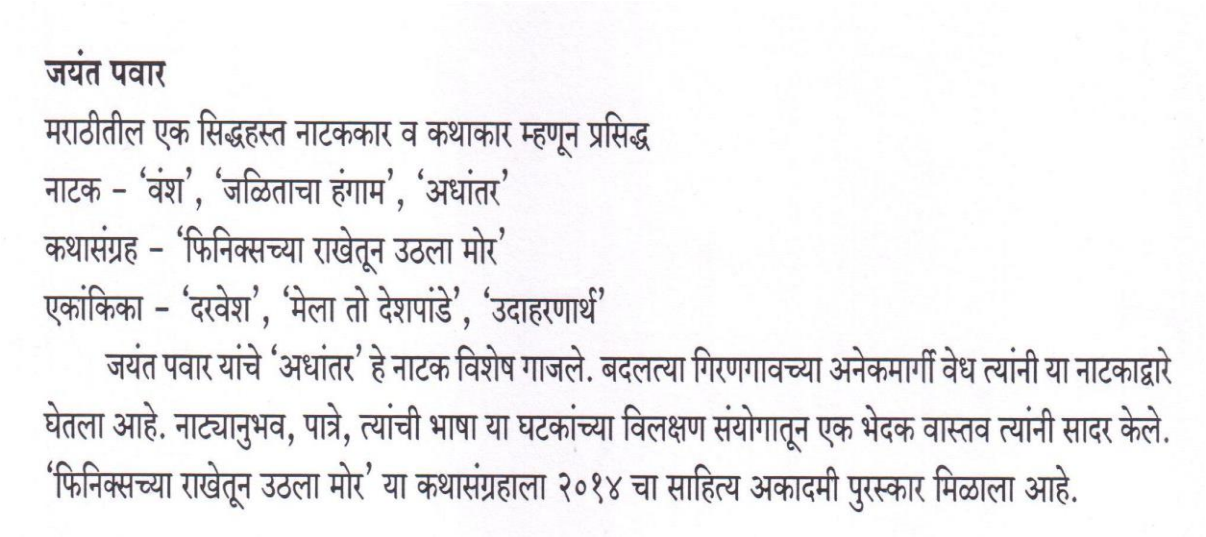

जयंत पवार
मराठीतील एक सिद्धहस्त नाटककार व कथाकार म्हणून प्रसिद्ध
नाटक - 'वंश', 'जळिताचा हंगाम', 'अधांतर'
कथासंग्रह - 'फिनिक्सच्या राखेतून उठला मोर'
एकांकिका - 'दरवेश', 'मेला तो देशपांडे', 'उदाहरणार्थ'

जयंत पवार यांचे 'अधांतर' हे नाटक विशेष गाजले. बदलत्या गिरणगावच्या अनेकमार्गी वेध त्यांनी या नाटकाद्वारे घेतला आहे. नाट्यानुभव, पात्रे, त्यांची भाषा या घटकांच्या विलक्षण संयोगातून एक भेदक वास्तव त्यांनी सादर केले. 'फिनिक्सच्या राखेतून उठला मोर' या कथासंग्रहाला २०१४ चा साहित्य अकादमी पुरस्कार मिळाला आहे.

Open Interview With Chief Guest by Shri **Bipin Ashaar**
3.45 to 4.45 pm

Shaktipujanam (Sanskrit Garba) Directed by Ms. Rupali Desai

भवती अखिल- भारतीय -गान्धर्वमहाविद्यालये प्रथमश्रेण्यां 'कथ्थक नृत्यालंकार' जाता। स्व. नटराज गोपीकृष्णमहोदयस्य डॉ. मंजरी देव तथा तबलावादक: पं. मुकुन्दराज देव एतयो: मार्गदर्शनं भवती प्राप्तवती । भवती बी.ए., एल.एल.बी.अपि अस्ति।

भवत्या: कलाप्रेमिणां परिवारसदस्यानां प्रोत्साहनं भवती सदैव अलभत। गत 26 वर्षेभ्य: भवती नृत्यक्षेत्रे कार्यं करोति। भवती ए ग्रेड नृत्यांगना अस्ति।

भवत्या 'संस्कृत- नृत्य-मन्दिर' इति संस्था स्थापितो। 16 वर्षेभ्य: अत्र भवती नितरां उत्साहेन-प्रेम्णा शिष्यान् नृत्यविषये मार्गदर्शनं करोति।

देश-विदेशेषु विविधि-नृत्यमहोत्सवेषु कार्यक्रमेषु नृत्याविष्कारेण दर्शकानां प्रशंसा भवती प्राप्तवती। भवती नृत्यदिग्दर्शनं अपि करोति। दूरदर्शने 'ताक्- धिना धिन्' कार्यक्रमस्य भवती सूत्रसंचालनं कृतवती।

सूरसिंगार संसदस्य 'श्रंगारमणि:' तथैव नाट्यदर्पणस्य उत्तमा अभिनेत्री आदिभि: पुरस्कारै: अलभवती गौरवांविता अस्ति:।

Akath Katha (A performance based on Kabir)

by Sanjukta Wagh

A performer, choreographer, teacher and curator, Sanjukta Wagh has trained extensively under Rajashree Shirke in Kathak and under Murli Manohar Shukla in Hindustani music, while her connections to theatre were forged by playwright-director Chetan Datar. In 2009- 2010 she was awarded British Council's Charles Wallace scholarship to pursue a postgraduate diploma in dance studies from the Trinity Laban dance centre in London. Her year-long experience at the Laban Centre of Dance, London, her love of literature and deep unease with comfort zones, led to her interdisciplinary and exploratory modes of work. Her choreographies like Akath Katha, Let Her be Born (2009) Seeking to Embody (2010) , Bheetar Baahar (2011) , Chitra (2011) Putana and I (2012) , Ubha Vitewari (2013) and Rage and Beyond: Irawati 's Gandhari (2014) have won her applause at festivals across the country and abroad. Sanjukta has developed a unique language of dance-theatre that draws equally from Kathak and contemporary dance in form and approach, theatre and hindustani music. An M A in English literature from SNDT Women's University she

has penned several poems and text for her own productions. She has also composed music for her work. Her research on improvisation as performance and love of dance to live music has led to several one - on- one collaborations and experiments which she has been sharing in workshops for performing arts students around the country.

In 2009, Sanjukta began an interdisciplinary initiative called beej to hone the creative process. beej has three wings: the beej garage, the beej school of Kathak and the beej dance company exploring process, pedagogy and performance respectively.

Sanjukta has been the curator for dance at the Kala Ghoda festival in the year 2009, 2012, and2013. She hopes to develop beej into a space for creative collaboration, democratic and inclusive dialogue across art forms and other disciplines, and new directions in arts pedagogy and research.

Sanjukta recently received the late Vinod Doshi scholarship award for a significant achievement in performing arts on February 21, 2015 in Pune. Her latest solo dance theatre production scripted, choreographed, directed and performed by her has been nominated in 6 categories in the Mahindra. Excellence in theatre awards for the year 2015.

4.45 to 5.30 pm Valedictory Session

Chief Guest – Smt. Pratibha Ranade

श्रीमती प्रतिभा रानडे
कथाकार आणि कादंबरीकार म्हणून प्रसिद्ध
कथासंग्रह – 'परकं रक्त', 'अफगाण डायरी', 'काबूल कंदहारकडील कथा'
इतर लेखन – 'बुरख्या आडच्या स्त्रिया', 'ऐरणीवरील प्रश्न : समान नागरी कायदा', 'शुक्रवारची कहाणी', 'ऐसपैस गप्पा : दुर्गाबाईंशी', 'स्त्री प्रश्नांची चर्चा : १९ वे शतक', 'यशोदाबाई आगरकरांच्या आठवणी एक आकलन'.
ऐतिहासिक कादंबरी – 'बदनसीब', 'मानुषी', 'रेघोट्या'

१९७४ सालापासून लेखनाला आरंभ. 'बंद दरवाजा हे अमृता प्रीतम यांच्या कादंबरीचे भाषांतर प्रसिद्ध. त्यांचा पहिला लेख केसरीमधून प्रकाशित झाला. त्यांचे लेखन सामाजिक आस्थेतून झालेले आहे. मुस्लिम स्त्रियांचे प्रश्न हा त्यांच्या जिव्हाळ्याचा विषय आहे. त्यांचे लेखन सहज, आकलनसुलभ आणि अंतर्मुख करणारे आहे.

Chair Person- Prof. Madhura Kesarkar (Dir. BCUD)